

BRIDGE FOR BULLET TRAIN

TOI



On Sunday, the National High Speed Rail Corporation Limited launched a 130-metre-long steel bridge over the Delhi-Mumbai National Expressway near Vadodara. This bridge is integral to the Mumbai-Ahmedabad Bullet Train project. The structure involves fabricating an 18-metre-tall and 14.9-metre-wide 3,000 MT steel bridge. It was transported on trailers to the site for installation

VADODARA:

NHSRCL's bridge in Vadodara

National High Speed Rail Corporation Limited has successfully launched another steel bridge of 130 m length. The steel bridge was launched over Delhi-Mumbai National Expressway near Vadodara in Gujarat for the Mumbai-Ahmedabad Bullet Train project. The bridge launching was completed within 24 hours with intermittent breaks to allow road traffic to pass. This 3000 MT of steel bridge of 18m in height and 14.9m in width has been fabricated at the workshop in Wardha, Maharashtra and was transported on trailers to the site for installation. It requires tremendous efforts to pull such a heavy girder which is likely to be the longest over any national highway in the country.

130m-long bridge put in place in 24 hrs



The steel bridge has been launched near the under-construction toll of the Delhi-Mumbai National Expressway near city

TIMES NEWS NETWORK

Vadodara: The National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) on Sunday successfully launched a 130-metre-long steel bridge. The steel bridge has been launched near the under-construction toll of the Delhi-Mumbai National Expressway near Vadodara for the Mumbai-Ahmedabad bullet train project.

NHSRCL officials said the bridge launching was completed within 24 hours with intermittent breaks to allow road traffic to pass.

The 3000 MT of steel bridge of 18m in height and 14.9m in width was fabricated at a workshop in Wardha, Maharashtra, and was transported on trailers to the site for installation. "It requires tremendous efforts to pull such a heavy girder which is likely to be the longest over any national highway in the country," an official said. The bridge fabrication utilized around 1,24,246 tor-shear type high strength bolts with C5 system painting and metallic spherical bearings, all designed for a 100-year lifespan.

"The steel bridge was assembled at the site at a height of 15m from the ground on temporary trestles and was pulled with automatic mechanism of

two semi-automatic jacks, each of capacity of 250 tonne using mac-alloy bars," the official said.

"Leveraging Japanese expertise, India is increasingly utilizing its own technical and material resources to build infrastructure under the 'Make in India' initiative. The steel bridge for the Bullet Train Project is a major example of this effort," the official added.

This is the third out of the 28 steel bridges completed for the bullet train project. The first and second steel bridge were launched across National Highway 53 in Surat and over Vadodara-Ahmedabad main line of the Indian Railway near Nadiad, respectively. Steel bridges are most suitable to cross highways, expressways and railway lines unlike the pre-stressed concrete bridges, spanning 40 to 45 metres, which are suitable for most sections, including river bridges. "India has the expertise of fabricating steel bridges for heavy haul and semi high-speed trains which run between 100kmph and 160kmph. Now, the same expertise in fabrication of steel girders is implemented on the bullet train corridor too which will have a staggering operational speed of 320kmph," official added.

बुलेट ट्रेन परियोजना

यह पूरे कॉरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिजों में से तीसरा स्टील ब्रिज है

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का तीसरा 130 मीटर लंबा स्टील ब्रिज तैयार

पत्रिका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए गुजरात में वडोदरा के पास मुंबई-नई दिल्ली नेशनल एक्सप्रेस-वे पर 130 मीटर लंबा स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा कर लिया गया है। यह पूरे कॉरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिजों में से तीसरा स्टील ब्रिज है। सड़क यातायात को बाधित न करते हुए स्टील ब्रिज का निर्माण 24 घंटों के भीतर पूरा किया गया। 18 मीटर ऊंचे और 14.9 मीटर चौड़े इस 3000 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज को महाराष्ट्र के वर्धा स्थित कार्यशाला में तैयार किया गया है और इसे इंस्टॉलेशन के लिए ट्रेलरों पर साइट पर ले जाया गया। इतने भारी गर्डर को खींचने के लिए बहुत



बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा

ज्यादा प्रयास की जरूरत होती है, जो संभवतः देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे लंबा होगा।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों

ने बताया कि पुल निर्माण में सी5 सिस्टम पेंटिंग और धातु के गोलाकार बीयरिंग के साथ लगभग 124,246 टोर-शीयर टाइप हाई स्ट्रेंथ (टीटीएचएस) बोल्ट का उपयोग

किया गया, जो 100 साल के जीवनकाल के लिए डिजाइन किए गए हैं। स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 15 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया और

इसे मैक-मिश्र धातु बार का उपयोग करते हुए 2 अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 250 टन है। सुरक्षा और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए परियोजना को सावधानीपूर्वक निष्पादित किया जा रहा है। जापानी विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, भारत "मेक इन इंडिया" पहल के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए अपने स्वयं के तकनीकी और भौतिक संसाधनों का उपयोग कर रहा है। बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए स्टील ब्रिज इस प्रयास का एक बड़ा उदाहरण है। यह पूरे कॉरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिजों में से तीसरा स्टील ब्रिज है। गुजरात में पहला और दूसरा स्टील ब्रिज

क्रमशः सूरत में राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर और नडियाद के पास भारतीय रेलवे की वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर लॉन्च किया गया था। 40 से 45 मीटर तक वाले प्री-स्ट्रेस कंक्रीट ब्रिज के विपरीत, स्टील ब्रिज राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं, जो नदी पुलों सहित अधिकांश वर्गों के लिए उपयुक्त होते हैं। भारत के पास 100 से 160 किमी प्रति घंटे के बीच चलने वाली भारी दुलाई और अर्ध उच्च गति वाली ट्रेनों के लिए स्टील ब्रिज बनाने की विशेषज्ञता है। अब, स्टील गर्डर्स के निर्माण में समान विशेषज्ञता एमएचएसआर कॉरिडोर पर भी लागू की जाएगी, जिसमें 320 किमी प्रति घंटे की परिचालन गति होगी।

24 घंटे में पूरा किया निर्माण

बुलेट के लिए दिल्ली-मुंबई नेशनल एक्सप्रेस-वे पर हुआ तैयार

देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे लंबा स्टील ब्रिज गुजरात में

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे लंबा स्टील ब्रिज गुजरात में बनाया गया है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए दिल्ली-मुंबई नेशनल एक्सप्रेस-वे पर 130 मीटर लंबा 'मेक इन इंडिया' स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा किया गया।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) की ओर से स्टील ब्रिज का निर्माण गुजरात में वडोदरा के पास दिल्ली-मुंबई नेशनल एक्सप्रेस-वे पर किया गया। सड़क यातायात को बाधित न करते हुए स्टील ब्रिज का निर्माण 24 घंटों के भीतर पूरा किया गया। 18 मीटर



130 मीटर लंबाई

14.9 मीटर चौड़ा

3000 मीट्रिक टन
स्टील ब्रिज

ऊंचे और 14.9 मीटर चौड़े इस 3000 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज को महाराष्ट्र के वर्धा स्थित कार्यशाला में तैयार किया गया। इसे इंस्टालेशन के लिए ट्रेलरों पर रखकर साइट पर ले

जाया गया। इतने भारी गर्डर को खींचने के लिए बहुत ज्यादा प्रयास की ज़रूरत होती है, जो संभवतः देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे लंबा होगा। ब्रिज निर्माण में

सी5 सिस्टम पेंटिंग और धातु के गोलाकार बीयरिंग के साथ लगभग 124,246 टोर-शीयर टाइप हाई स्ट्रेंथ (टीटीएचएस) बोल्ट का उपयोग किया गया, जो 100 साल तक के

कॉरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से तीसरा

यह पूरे कॉरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से तीसरा है। पहला ब्रिज सूरत में राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर और दूसरा ब्रिज नडियाद के पास रेलवे की वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर लॉन्च किया गया था। राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार

करने के लिए सबसे उपयुक्त 40 से 45 मीटर तक वाले प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट ब्रिज के विपरीत स्टील ब्रिज राजमार्गों, एक्सप्रेसवे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं, जो नदी पुलों सहित अधिकांश वर्गों के लिए उपयुक्त होते हैं।

लिए डिजाइन किए गए हैं। स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 15 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया। इसे मैक-मिश्र धातु बार का उपयोग करते हुए 2 अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया, जिनमें से

प्रत्येक की क्षमता 250 टन है। जापानी विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए भारत 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए अपने स्वयं के तकनीकी और भौतिक संसाधनों का उपयोग कर रहा है।

A 130 meter long steel bridge was constructed for the bullet train

મેક ઈન ઈન્ડિયા

18 મીટર ઊંચો અને 14.9 મીટર પહોળો એવો 3000 ટન સ્ટીલની મદદથી તૈયાર કરાયો

બુલેટ ટ્રેન માટે 130 મીટર લાંબો સ્ટીલ બ્રિજ બનાવાયો

નવગુજરાત સમય > સુરત

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે નેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન લિમિટેડે રવિવારે આખા દિવસની તનતોડ મહેનતને અંતે દિલ્હી-મુંબઈ એક્સપ્રેસ વે ઉપર સ્ટીલનો બ્રિજ લોન્ચ કર્યો હતો. બુલેટ ટ્રેન માટે 130 મીટર લંબાઈનો આ બીજો સ્ટીલ બ્રિજ સફળતાપૂર્વક લોન્ચ કર્યો છે. જોકે, વડોદરા નજીક દિલ્હી-મુંબઈ નેશનલ એક્સપ્રેસ વે ઉપર આ પહેલો બ્રિજ છે. ત્રણ હજાર ટન સ્ટીલની મદદથી તૈયાર કરાયેલો આ બ્રિજ લોન્ચ કરતા પૂરા 24 કલાક લાગ્યા હતા. આ વિશેષ પ્રકારના બ્રિજની માહિતી આપતા બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટના સત્તાવાર સાધનોએ જણાવ્યું હતું કે, બ્રિજને લોન્ચ કરવા માટે નીચેથી પસાર થતા એક્સપ્રેસ વે ઉપર ટ્રાફિક પણ ચાલુ રાખવો પડે તેમ હતો. એટલે એક્સપ્રેસ વે ઉપરના ટ્રાફિકને પસાર કરવા માટે તૂટક તૂટક વિરામ સાથે બ્રિજનું લોન્ચિંગ 24 કલાકમાં પૂર્ણ કરી શકાયું હતું. 18મીટરની ઊંચાઈ અને 14.9 મીટર પહોળાઈનો આ 3000 મેટ્રિક ટન સ્ટીલની મદદથી બનેલો આ બ્રિજ મહારાષ્ટ્રના વર્ધામાં વર્કશોપમાં બનાવવામાં આવ્યો છે, તેને ઈન્સ્ટોલેશન



માટે ટ્રેઈલર પર લઈ જવામાં આવ્યો હતો. આવા તોર્ટિંગ વજનનારે ગર્ડરને ખેંચવા માટે જબરદસ્ત પ્રયાસોની જરૂર છે. આ બ્રિજદેશના કોઈપણ રાષ્ટ્રીય ધોરીમાર્ગ પર સૌથી લાંબો સ્ટીલ બ્રિજ છે. સુરક્ષા અને ઈજનેરી શ્રેષ્ઠતાના સર્વોત્તમ ધોરણોને જાળવી રાખીને આ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટને સાવચેતીપૂર્વક ચલાવવામાં આવી રહ્યો છે. જાપાની કુશળતાનો ઉપયોગ કરીને, ભારત “મેક ઈન ઈન્ડિયા” પહેલ હેઠળ ઈન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચર બનાવવા માટે તેના પોતાના ટેકનિકલ અને ભૌતિક સંસાધનોનો વધુને વધુ ઉપયોગ કરી રહ્યું છે. બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટેનો સ્ટીલ બ્રિજ આ પ્રયાસનું મુખ્ય ઉદાહરણ છે.

આ બ્રિજના ફેબ્રિકેશનમાં લગભગ 1,24,246 નંગ ટોર-શીયર ટાઈપ હાઈ સ્ટ્રેન્થ બોલ્ટ્સનો ઉપયોગ કરાયો છે. આ બોલ્ટ્સ સી-5 સિસ્ટમ પેઈન્ટિંગ અને મેટાલિક સ્ફેરિકલ બેરિંગ્સ સાથે ઉપયોગમાં લેવામાં આવ્યા છે. આ તમામ બોલ્ટ્સ અને બ્રિજના પાર્ટ્સની લાઈફ ઓછામાં ઓછી 100 વર્ષની રહે તે રીતે બનાવાયા છે. આ સ્ટીલના પુલને જમીનથી 15 મીટરની ઊંચાઈ પર કામચલાઉ ટ્રેસ્ટલ્સ પર એસેમ્બલ કરવામાં આવ્યો હતો, ત્યારબાદ તેને મેક-એલોય બારનો ઉપયોગ કરીને 250 ટનની ક્ષમતા ધરાવતા 2 નંબરના સેમી-ઓટોમેટિક જેકની ઓટોમેટિક મિકેનિઝમ સાથે ખેંચવામાં આવ્યો હતો.

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં 28 સ્ટીલ બ્રિજ બનાવાશે

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન કોરિડોર માટે 28 સ્ટીલ બ્રિજ તૈયાર કરાઈ રહ્યાં છે. તેમાં લોન્ચ કરાયેલા સ્ટીલ બ્રિજમાં ત્રીજો બ્રિજ છે. પ્રથમ અને બીજો સ્ટીલ બ્રિજ રાષ્ટ્રીય ધોરીમાર્ગ નંબર 53 ઉપર સુરતમાં અને રેલવેની વડોદરા-અમદાવાદ મુખ્ય લાઇન ઉપર નડિયાદ નજીક અનુક્રમે લોન્ચ કરવામાં આવ્યો હતો.

ભારતે હાઈસ્પીડ ટ્રેન માટે ગર્ડર બનાવવાની ક્ષમતા વિકસાવી

સ્ટીલના પુલ હાઇવે, એક્સપ્રેસવે અને રેલવે લાઇનને પાર કરવા માટે સૌથી ચોગ્ય છે. હાઈટેન્શન ધરાવતા કોંક્રિટ પુલથી વિપરીત આ બ્રિજ 40થી 45 મીટર સુધી ફેલાયેલા હોય છે, જે નદીના પુલ સહિત મોટાભાગના વિભાગો માટે ચોગ્ય ગણાય છે. ભારત પાસે 100થી 160 કિમી પ્રતિ કલાકની ઝડપે દોડતી હેવી હોલ અને સેમી હાઇ-સ્પીડ ટ્રેન માટે સ્ટીલ બ્રિજ બનાવવાની કુશળતા છે. હવે આવી સમાન કુશળતા બુલેટ ટ્રેન કોરિડોર માટે જરૂરી સ્ટીલ બ્રિજના ગર્ડર બનાવવા માટે પણ વિકસાવાઈ છે. બુલેટ ટ્રેન 320 કિમી પ્રતિ કલાકની આશ્ચર્યજનક ઓપરેશનલ ગતિ ધરાવે છે, તેના માટેના સ્ટીલ બ્રિજના ગર્ડર બનાવવા માટેની ક્ષમતા એ ગૌરવની બાબત છે, તેવું બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ સાથે સંકળાયેલા અધિકારીઓનું કહેવું છે.

BULLET TRAIN PROJECT | 3rd of 28 steel bridges; first, second were launched across NH 53, in Surat, and over Vadodara-Ahmedabad main line of railways

Bridge over Delhi-Mum e-way

Kamal Mishra
MUMBAI

National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) on Sunday successfully launched another steel bridge, this one 130 metres long, over Delhi-Mumbai National Expressway near Vadodara for the Mumbai-Ahmedabad bullet train project.

The bridge weighs 3,000 metric tonnes and is 18 metres tall and 14.9 metres wide, an NHSRCL official said, adding it was fabricated in Wardha and transported on trailers to the site for installation.

"The bridge fabrication utilised approximately 124,246 torshear type high strength bolts with C5 system painting and metallic spherical bearings, all designed for a 100-year lifespan," the official said.

"The steel bridge was assembled at the site at a height of 15 metres from the ground on temporary trestles and was pulled with automatic mechanism of two number of semi-automatic jacks, each of capacity of 250 tonnes using mac-alloy bars," the official said.

The bullet train project is being executed meticulously, maintaining the utmost stan-



An aerial view of the newly installed structure

Bridge assembled at a height of 15 metres from ground on temporary trestles; was pulled with automatic mechanism

dards of safety and engineering excellence. Leveraging Japanese expertise, India is increasingly utilizing its own technical and material resources to build infrastructure

under the 'Make in India' initiative. The steel bridge for the bullet train project is a major example of this effort.

According to NHSRCL officials, this is the third out of the 28 steel bridges completed for the corridor. The first and second steel bridges were launched across National Highway 53, in Surat and over Vadodara-Ahmedabad main line of Indian Railways, near Nadiad in Gujarat respectively.

Steel bridges are most suitable to cross highways, expressways and railways lines,

unlike pre-stressed concrete bridges, spanning 40 to 45 metres, which are suitable for most sections, including river bridges.

"India has the expertise of fabricating steel bridges for heavy haul and semi high-speed trains, which run between 100 and 160kmph. Now, the same expertise in fabrication of steel girders is implemented on bullet train corridor too, which will have an operational speed of 320kmph," the official added.

VITAL STATISTICS

3,000
metric tonnes

18
metres tall

15
Metres
height
assembly

14.9
metres wide

124,246
high strength
bolts used

250
tonne
capacity
jacks

100
year
lifespan
design

320kmph
operational speed for
bullet train

3rd of 28 steel
bridges completed



Work on at bullet pace

The National High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) on Sunday successfully completed setting up of another steel bridge which is 130-metre long. The new bridge was installed over the Delhi-Mumbai National Expressway near Vadodara for the Mumbai-Ahmedabad Bullet Train project.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • वर्धा कार्यशाला में बनाया गया है स्टील ब्रिज दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 130 मीटर लंबा 'मेक इन इंडिया' स्टील ब्रिज इंस्टॉल किया गया

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए रविवार को 130 मीटर लंबा स्टील ब्रिज खड़ा कर दिया गया है। इस स्टील ब्रिज वडोदरा के पास दिल्ली-मुंबई नेशनल एक्सप्रेस-वे पर इंस्टॉल किया गया है। सड़क यातायात को बाधित न करते हुए स्टील ब्रिज का निर्माण 24 घंटे में पूरा किया गया। 18 मीटर ऊंचे और 14.9 मीटर चौड़े इस 3000 मीट्रिक टन के स्टील ब्रिज महाराष्ट्र के वर्धा कार्यशाला में बना है। इसे इंस्टालेशन के लिए ट्रेलर्स से साइट पर ले जाया गया।



हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के 28 स्टील ब्रिजेज में से तीसरा ब्रिज

यह पूरे हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के 28 स्टील ब्रिजेज में से तीसरा स्टील ब्रिज है। पहला और दूसरा स्टील ब्रिज क्रमशः सूरत में राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर और गुजरात में नडियाद के पास वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य रेल लाइन पर लॉन्च किया गया था। 40 से 45 मीटर तक वाले प्री-स्ट्रेसड कंक्रीट ब्रिज के विपरीत, स्टील ब्रिज राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं।

दिल्ली-मुंबई राष्ट्रीय द्रुतगती मार्गावर १३० मीटर लांबीचा स्टील ब्रिज

मुंबई : पुढारी वृत्तसेवा

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन मार्गात दिल्ली-मुंबई राष्ट्रीय द्रुतगती मार्गावर १३० मीटर लांबीच्या स्टील ब्रिजचे रविवारी नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडने लोकार्पण केले.

बुलेट ट्रेन प्रकल्पासाठी गुजरातमधील वडोदराजवळ दिल्ली-मुंबई राष्ट्रीय द्रुतगती मार्गावर स्टील पूल रस्ते वाहतूकीसाठी खुला करण्यात आला.

बुलेट ट्रेनचे काम सध्या वेगाने सुरु आहे. १८ मीटर उंचीचा आणि १४.९ मीटर रुंदीचा हा तीन हजार मेट्रिक टन पोलादी पूल महाराष्ट्रातील वर्धा येथील कार्यशाळेत तयार केला



मुंबई : दिल्ली-मुंबई राष्ट्रीय द्रुतगती मार्गावर उभारण्यात आलेला स्टील ब्रिज.

आहे. पूल बसविण्यासाठी तो ट्रेलर-वरून रस्ते मागाने नेण्यात आला. देशातील कोणत्याही राष्ट्रीय महामार्गापेक्षा जास्त लांबीचा असा जड गर्डर आहे. ब्रिज फॅब्रिकेशनमध्ये सी ५ सिस्टीम पेंटिंग आणि मेटॅलिक स्फेरिकल बेअरिंग्सह अंदाजे १ लाख २४ हजार २४६ नग टोर-शिअर टाइप

हाय स्ट्रेंथ बोल्टचा वापर केला आहे. जपानी कौशल्याच्या आधारे मेक इन इंडिया उपक्रमांतर्गत पायाभूत सुविधा निर्माण करण्यासाठी स्वतःच्या तांत्रिक आणि भौतिक संसाधनांचा अधिकाधिक वापर करत आहे. बुलेट ट्रेन प्रकल्पासाठीचा पोलादी पूल हे या प्रयत्नाचे प्रमुख उदाहरण आहे.

National High Speed Rail Corporation Limited has successfully launched steel bridge of 130 metres in length, this steel bridge was launched over Delhi-Mumbai National Expressway near Vadodara in Gujarat for Mumbai- Ahmedabad Bullet Train project.

Mumbai National Expressway 130m long steel bridge launched near Vadodra for bullet train

દિલ્હી-મુંબઈ નેશનલ એક્સપ્રેસ વે પર 'મેક ઈન ઈન્ડિયા'નું ઉદાહરણ બુલેટ ટ્રેન માટે વડોદરા નજીક 130 મીટર લાંબો સ્ટીલ બ્રિજ લોંચ કરાયો 18 મીટર ઊંચો, 14.9 મીટર પહોળા બ્રિજનું વજન 3 હજાર મેટ્રિક ટન

ટ્રાન્સપોર્ટ સિપોર્ટર | વડોદરા

નેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન લિમિટેડે 23 જૂને વડોદરા નજીક 130 મીટર લાંબો બીજો સ્ટીલ બ્રિજ લોંચ કર્યો છે. મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે દિલ્હી-મુંબઈ નેશનલ એક્સપ્રેસવે પર સ્ટીલ બ્રિજનું લોકાર્પણ કરવામાં આવ્યું હતું.

18 મીટર ઊંચાઈ અને 14.9 મીટર પહોળાઈનો 3000 મેટ્રિક ટનનો બ્રિજ મહારાષ્ટ્રના વર્ધામાં વર્કશોપમાં બનાવવામાં આવ્યો હતો. જે દેશના કોઈપણ રાષ્ટ્રીય ધોરીમાર્ગ પર સૌથી લાંબો બ્રિજ છે.



બ્રિજ ફેબ્રિકેશનમાં લગભગ 124,246 નંગ ટોર-શીયર ટાઈપ હાઈ સ્ટ્રેન્થ બોલ્ટ્સનો C5 સિસ્ટમ પેઈન્ટિંગ અને મેટાલિક સ્ફેરિકલ બેરિંગ્સ સાથે ઉપયોગ કરવામાં આવ્યો હતો. જે તમામ 100વર્ષના જીવનકાળ માટે રચાયેલ છે. જાપાની કુશળતાનો ઉપયોગ કરીને, 'મેક ઈન ઈન્ડિયા' હેઠળ

ઈન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચર બનાવવા તકનીકી અને ભૌતિક સંસાધનોનો ઉપયોગ દેશ કરી રહ્યો છે. બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટેનો સ્ટીલ બ્રિજ તેનું ઉદાહરણ છે. કોરિડોર માટે પૂર્ણ થયેલા 28 સ્ટીલ બ્રિજમાંથી આ ત્રીજો છે. પ્રથમ અને બીજો નેશનલ હાઈવે 53 પર સુરત અને વડોદરા-અમદાવાદ રેલ્વે લાઈન પર નડિયાદ નજીક છે.

Construction of 130 m long steel bridge over Expressway near Vadodara for Bullet Train

બુલેટ ટ્રેન માટે વડોદરા નજીક એક્સપ્રેસ-વે ઉપર ૧૩૦ મીટર લાંબા સ્ટીલ બ્રિજનું નિર્માણ કાર્ય પૂર્ણ

સુરત, તા. 23
નેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન
લિમિટેડ દ્વારા મુંબઈ- અમદાવાદ
બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે 130 મીટર
લાંબા સ્ટીલના બ્રિજનું નિર્માણ પૂરું
કર્યું છે. સ્ટીલ બ્રિજ વડોદરા જિલ્લાના
દિલ્લી-મુંબઈ નેશનલ એક્સપ્રેસ વે
પર મુકવામાં આવ્યો છે. મેક ઈન
ઈન્ડિયા પહેલ અંતર્ગત બ્રિજ તૈયાર
કરવામાં આવ્યો હતો. ઉપરાંત બ્રિજ
100 વર્ષ ચાલે તે રીતે ડિઝાઈન
કરવામાં આવ્યો છે.

પ્રાપ્ત વિગતો અનુસાર, 18
મીટર ઊંચા અને 14.9 મીટર પહોળા
આ 3000 મેટ્રિક ટન સ્ટીલ બ્રિજને
મહારાષ્ટ્રના વર્ધા સ્થિત વર્કશોપમાં
તૈયાર કર્યો અને તેણે ઈન્સ્ટોલેશન

માટે ટ્રેલરો પર સાઈટ પર
જવાબો હતો. આટલા મોટા અને ભારે
વડરને ખેંચવા માટે ઘણા પ્રયાસની
જરૂર હોય છે, જે સંભવતઃ દેશના
કોઈ પણ રાષ્ટ્રીય રાજમાર્ગ પર સૌથી
લાંબો હશે. બ્રિજના આંધકામમાં
C5 સિસ્ટમ પેઈન્ટિંગ અને મેટલ
ગોળાકાર બેરિંગ્સ સાથે આશરે
124,246 ટોર્સિયન-શીપર ટાઈપ હાઈ
સ્ટ્રેન્થ (TTHS) બોલ્ટનો ઉપયોગ
કરવામાં આવ્યો હતો, જે 100-વર્ષના
જીવનકાળ માટે ડિઝાઈન કરવામાં
આવ્યો છે. સ્ટીલ બ્રિજ જમીનથી 15
મીટરની ઊંચાઈ પર અસ્થાયી ટ્રેસ્ટલ્સ
પર સ્થાપિત કરવામાં આવ્યો હતો
અને મેક-એલોપ ભારનો ઉપયોગ
કરીને 2 અર્ધ-સ્વચાલિત જેકની

સ્વપંચચાલિત સિસ્ટમ દ્વારા ખેંચામાં
આવ્યો હતો, જેમાં દરેકની લમતા 250
ટન છે. સલામતી અને એન્ટિનિયરિંગ
શ્રેષ્ઠતાના ઉચ્ચતમ ધોરણોને જાળવી
રાખીને આ પ્રોજેક્ટને સાવચેતીપૂર્વક
ચલાવવામાં આવી રહ્યો છે. જાપાનની
કુશળતાનો લાભ લઈને, ભારત મેક
ઈન ઈન્ડિયા પહેલ હેઠળ ઈન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચર
બનાવવા માટે તેના પોતાના તકનીકી
અને ભૌતિક સંસાધનોનો ઉપયોગ કરી
રહ્યું છે. સમગ્ર કોરિડોર માટે 28 સ્ટીલ
બ્રિજ માંથી આ ત્રીજો સ્ટીલ બ્રિજ છે.
પ્રથમ અને બીજો સ્ટીલ બ્રિજ અનુક્રમે
સુરતમાં નેશનલ હાઈવે 53 પર અને
ગુજરાતમાં નાડિયાદ નજીક ભારતીય
રેલવેની વડોદરા-અમદાવાદ મુખ્ય
લાઈન પર લોન્ચ કર્યો હતો.

લગભગ ૧૦૦ વર્ષનું આયુષ્ય ધરાવતો બ્રિજ ભારતમાં ઘર આંગણે
બનાવાયો છે: કુલ બનનાર ૨૮ બ્રિજ પૈકી ત્રીજો બ્રિજ સાકાર થયો

Bullet Train: Construction of 'Make in India' steel bridge near Vadodra

બુલેટ ટ્રેન : વડોદરા પાસે 'મેક ઇન ઇન્ડિયા' સ્ટીલ બ્રિજનું નિર્માણ



વડોદરા : નેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન લિમિટેડે રવિવારે ૧૩૦ મીટર લંબાઈનો ત્રીજો 'મેક ઇન ઇન્ડિયા' સ્ટીલ બ્રિજ મૂકાયો છે. મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે વડોદરા નજીક રાયકા ખાતે દિલ્હી-મુંબઈ એક્સપ્રેસ હાઇ-વે પર માત્ર ૨૪ કલાકમાં આ બ્રિજ મૂકાયો છે. ૧૮ મીટર ઊંચાઈ અને ૧૪.૯ મીટર પહોળાઈનો ૩,૦૦૦ એમટી આ બ્રિજને મહારાષ્ટ્રના વર્ધાના વર્કશોપમાં તૈયાર કરાયો છે. આ બ્રિજ રાષ્ટ્રીય ધોરીમાર્ગ પરનો સૌથી લાંબો બ્રિજ છે. બ્રિજ ફેબ્રિકેશનમાં લગભગ ૧,૨૪,૨૪૬ નંગ ટોર-શીયર ટાઇપ હાઈ સ્ટ્રેન્થ (TTHS) બોલ્ટ્સનો CP સિસ્ટમ પેઇન્ટિંગ અને મેટાલિક સ્ટ્રેકલ બેરિંગ્સ સાથે ઉપયોગ થયો છે. જે ૧૦૦ વર્ષ સુધી અડીખમ રહી શકે છે.

Bullet Train: Construction of 'Make in India' steel bridge near Vadodara

બુલેટ ટ્રેન : વડોદરા પાસે 'મેક ઇન ઇન્ડિયા' સ્ટીલ બ્રિજનું નિર્માણ



વડોદરા : નેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન લિમિટેડે રવિવારે ૧૩૦ મીટર લંબાઈનો ત્રીજો 'મેક ઇન ઇન્ડિયા' સ્ટીલ બ્રિજ મૂકાયો છે. મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે વડોદરા નજીક રાયકા ખાતે દિલ્હી-મુંબઈ એક્સપ્રેસ હાઇ-વે પર માત્ર ૨૪ કલાકમાં આ બ્રિજ મૂકાયો છે. ૧૮ મીટર ઊંચાઈ અને ૧૪.૯ મીટર પહોળાઈનો ૩,૦૦૦ એમટી આ બ્રિજને મહારાષ્ટ્રના વર્ધાના વર્કશોપમાં તૈયાર કરાયો છે. આ બ્રિજ રાષ્ટ્રીય ધોરીમાર્ગ પરનો સૌથી લાંબો બ્રિજ છે. બ્રિજ ફેબ્રિકેશનમાં લગભગ ૧,૨૪,૨૪૬ નંગ ટોર-શીયર ટાઇપ હાઈ સ્ટ્રેન્થ (TTHS) બોલ્ટ્સનો CP સિસ્ટમ પેઇન્ટિંગ અને મેટાલિક સ્ટ્રેકલ બેરિંગ્સ સાથે ઉપયોગ થયો છે. જે ૧૦૦ વર્ષ સુધી અડીખમ રહી શકે છે.

Bullet Train Project: Construction of steel bridge near Vadodara

બુલેટ ટ્રેન
પ્રોજેક્ટ : વડોદરા
પાસે સ્ટીલ
બિજનું નિર્માણ

। અમદાવાદ ।

નેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન લિમિટેડે રવિવારે ૧૩૦ મીટર લંબાઈનો બીજો 'મેક ઈન ઈન્ડિયા' સ્ટીલ બિજ સંસ્કૃતિપૂર્વક નિર્માણ કરીને મૂકવામાં આવ્યો છે. મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે વડોદરા નજીક દિલ્હી-મુંબઈ નેશનલ એક્સપ્રેસ હાઈવે પર સ્ટીલ બિજનું લોકાર્પણ કરાયું છે. માત્ર ૨૪ કલાકમાં આ બિજ મુકાયો છે. ૧૮ મીટર ઊંચાઈ અને ૧૪.૯ મીટર પહોળાઈનો ૩,૦૦૦ એમટી સ્ટીલ બિજને મહારાષ્ટ્રના વર્ધાના વર્કશોપમાં તૈયાર કરાયો છે. આ બિજ દેશના કોઈપણ રાષ્ટ્રીય ધોરીમાર્ગ પરનો સૌથી લાંબો બિજ છે. બિજ ફેબ્રિકેશનમાં લગભગ ૧.૨૪.૨૪૬ નંગ ટોર-શીયર ટાઈપ હાઈ સ્ટ્રેન્થ (TTHS) બોલ્ટ્સનો Cપ સિસ્ટમ પેઈન્ટિંગ અને મેટાલિક સ્ફેરિકલ બેરિંગ્સ સાથે ઉપયોગ કરાયો છે. જે આવતાં ૧૦૦ વર્ષ સુધી રહી શકે છે. જાપાની ટેકનોલોજીનો ઉપયોગ કરીને, 'મેક ઈન ઈન્ડિયા' પહેલ હેઠળ ઈન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચર બનાવવા માટે પોતાના ટકનીકી અને ભૌતિક સંસાધનોનો વધુને વધુ ઉપયોગ કરી રહ્યું છે. બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટેનો સ્ટીલ બિજ આ પ્રયાસનું મુખ્ય ઉદાહરણ છે. કોરિડોર માટે પૂર્ણ થયેલા ૨૮ સ્ટીલ બિજમાંથી આ ત્રીજો બિજ છે. ૩૦૦૦ MT સ્ટીલ બિજ મહારાષ્ટ્રના વર્ધામાં બનાવવામાં આવ્યો છે. આ બિજ ૧૮ મીટર ઊંચો અને ૧૪.૯ મીટર પહોળો છે.

Bullet Train Project. 130-meter-long “Make in India” built on Delhi-Mumbai Expressway.

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ | દિલ્હી-મુંબઈ એક્સપ્રેસ વે પર બનાવ્યો 130 મીટર લાંબો ‘મેક ઈન ઈન્ડિયા’ સ્ટીલ બ્રિજ ઊભો કરવામાં આવ્યો

ભાસ્કર ન્યૂઝ | સુરત

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં નેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન લિ. દ્વારા રવિવારે 130 મીટર લાંબો સ્ટીલ બ્રિજ ઊભો કરવામાં આવ્યો હતો. આ સ્ટીલ બ્રિજ વડોદરા નજીક દિલ્હી-મુંબઈ નેશનલ એક્સપ્રેસ વે પર છે. સ્ટીલ બ્રિજનું બાંધકામ વાહનવ્યવહારને ખલેલ પહોંચાડ્યા વિના 24 કલાકમાં પૂર્ણ કરાયું હતું. તેને ઈ-સ્ટોલેશન માટે ટ્રેઈલર્સ પર સાઈટ પર લઈ જવામાં આવ્યો હતો.



હાઇ સ્પીડ રેલ કોરિડોરના 28 સ્ટીલ બ્રિજમાંનો ત્રીજો બ્રિજ
હાઈ સ્પીડ રેલ કોરિડોરમાંના 28 સ્ટીલ બ્રિજમાંથી આ ત્રીજો સ્ટીલ બ્રિજ છે. સુરતમાં ને.હા. 53પ, નડિયાદ નજીક વડોદરા-અમદાવાદ રેલ લાઈન પર અનુક્રમે પ્રથમ અને બીજા સ્ટીલ બ્રિજનું લોકાર્પણ કરાયું હતું. 3000 મેટ્રિક ટન સ્ટીલ બ્રિજ, 18 મીટર ઊંચો, 14.9 મીટર પહોળો, મહારાષ્ટ્રના વર્ધા વર્કશોપમાં બનાવાયો છે.

निर्माण बुलेट ट्रेन परियोजना: दिल्ली-मुंबई नेशनल एक्सप्रेसवे पर बना ऐतिहासिक ब्रिज

130 मीटर लंबा स्टील ब्रिज बनकर तैयार

महाराष्ट्र वर्धा के कार्यशाला में किया गया है तैयार

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए 23 जून 2024 को 130 मीटर लंबा स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा कर लिया गया है. स्टील ब्रिज का निर्माण, गुजरात में वडोदरा के पास दिल्ली-मुंबई नेशनल एक्सप्रेसवे पर किया गया. सड़क यातायात को बाधित न करते हुए, स्टील ब्रिज का निर्माण 24 घंटों के भीतर पूरा किया गया. 18 मीटर ऊंचे और 14.9 मीटर चौड़े इस 3000 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज को महाराष्ट्र के वर्धा स्थित कार्यशाला में तैयार किया गया है और इसे इंस्टालेशन के लिए ट्रेलरों पर साइट पर ले जाया गया.

100 साल के जीवन काल के लिए की गई डिजाइन

इतने भारी गर्डर को खींचने के लिए बहुत ज्यादा प्रयास की जरूरत होती है, जो संभवतः देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे लंबा होगा. पुल निर्माण में सी 5 सिस्टम पेंटिंग और घातु के गोलाकार वीयरिंग के साथ लगभग 124,246 टन-शीयर टाइप हाई स्ट्रेंथ (टीटीएचएस) बोल्ट का उपयोग किया गया, जो 100 साल के जीवन काल के लिए डिजाइन किए गए हैं. स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 15 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया

गया और इसे मैक-मिश्र घातु बार का उपयोग करते हुए 2 अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 250 टन है. सुरक्षा और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए परियोजना को सावधानी पूर्वक पूरा किया जा रहा है. जापानी विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, भारत "मेक इन इंडिया" पहल के तहत इंप्रूव्ड स्ट्रक्चर के निर्माण के लिए अपने स्वयं के तकनीकी और भौतिक संसाधनों का उपयोग कर रहा है.

स्वयं ली तकनीक और भौतिक संसाधनों का रहा उपयोग

■ बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए स्टील ब्रिज इस प्रयास का एक बड़ा उदाहरण है. यह पूरे कॉन्स्ट्रिक्ट के लिए 28 स्टील ब्रिज में से तीसरा स्टील ब्रिज है. पहला और दूसरा स्टील ब्रिज क्रमशः सूरत में राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर और गुजरात में नडियाद के पास भारतीय रेलवे की वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर लॉन्च किया गया था.

■ 40 से 45 मीटर तक वाले प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट ब्रिज के विपरीत, स्टील ब्रिज राजमार्गों, एक्सप्रेसवे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं, जो नदी पुलों सहित अधिकांश वर्गों के लिए उपयुक्त होते हैं. भारत के पास 100 से 160 कि.मी. प्रति घंटे के बीच चलने वाली भारी दुलाई और अर्ध उच्च गति वाली ट्रेनों के लिए स्टील ब्रिज बनाने की विशेषज्ञता है.



बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट: दिल्ली-मुंबई नेशनल एक्सप्रेस-वे पर स्टील ब्रिज का निर्माण बिना ट्रैफिक रोके 24 घंटे में इंस्टॉल किया सबसे लंबा स्टील ब्रिज

130 मीटर लंबाई

14.9 मीटर चौड़ा

3,000 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज



पुल इंस्टॉलेशन के दौरान ट्रैफिक नहीं रोका गया

पत्रिका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे लंबा स्टील ब्रिज गुजरात के वडोदरा में तैयार हुआ और वह भी रिकॉर्ड समय में। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 130 मीटर लंबे स्टील ब्रिज को महज 24 घंटे में पूरा किया गया। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने इसे बनाया। खास बात यह है कि इस दौरान सड़क यातायात बाधित नहीं हुआ। इस 3000 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज को महाराष्ट्र के वर्धा में तैयार

किया गया। इसे इंस्टॉलेशन के लिए ट्रेलरों पर रखकर साइट पर ले जाया गया। ब्रिज निर्माण में सी5 सिस्टम पेंटिंग और धातु के गोलाकार बीयरिंग के साथ 124,246 टोर-शीयर टाइप हाई स्ट्रेंथ (टीटीएचएस) बोल्ट का उपयोग किया गया, जो 100 साल तक खराब नहीं होंगे।

स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 15 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया। इसे मैक-मिश्र धातु बार का उपयोग करते हुए 2 अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 250 टन है।

कॉरिडोर के 28 स्टील ब्रिज में यह तीसरा

यह पूरे कॉरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से तीसरा है। पहला ब्रिज सुरत में राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर और दूसरा ब्रिज नडियाद के पास रेलवे की वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर लॉन्च किया गया था। राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त 40 से 45 मीटर तक वाले प्री-स्ट्रेसड कंक्रीट ब्रिज के विपरीत स्टील ब्रिज राजमार्गों, एक्सप्रेसवे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट: दिल्ली-मुंबई नेशनल एक्सप्रेस-वे पर स्टील ब्रिज का निर्माण बिना ट्रैफिक रोके 24 घंटे में इंस्टॉल किया सबसे लंबा स्टील ब्रिज

130 मीटर लंबाई

14.9 मीटर चौड़ा

3,000 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज



पुल इंस्टॉलेशन के दौरान ट्रैफिक नहीं रोका गया

पत्रिका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे लंबा स्टील ब्रिज गुजरात के वडोदरा में तैयार हुआ और वह भी रिकॉर्ड समय में। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 130 मीटर लंबे स्टील ब्रिज को महज 24 घंटे में पूरा किया गया। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने इसे बनाया। खास बात यह है कि इस दौरान सड़क यातायात बाधित नहीं हुआ। इस 3000 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज को महाराष्ट्र के वर्धा में तैयार

किया गया। इसे इंस्टॉलेशन के लिए ट्रेलरों पर रखकर साइट पर ले जाया गया। ब्रिज निर्माण में सी5 सिस्टम पेंटिंग और धातु के गोलाकार बीयरिंग के साथ 124,246 टोर-शीयर टाइप हाई स्ट्रेंथ (टीटीएचएस) बोल्ट का उपयोग किया गया, जो 100 साल तक खराब नहीं होंगे।

स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 15 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया। इसे मैक-मिश्र धातु बार का उपयोग करते हुए 2 अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 250 टन है।

कॉरिडोर के 28 स्टील ब्रिज में यह तीसरा

यह पूरे कॉरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से तीसरा है। पहला ब्रिज सुरत में राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर और दूसरा ब्रिज नडियाद के पास रेलवे की वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर लॉन्च किया गया था। राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त 40 से 45 मीटर तक वाले प्री-स्ट्रेसड कंक्रीट ब्रिज के विपरीत स्टील ब्रिज राजमार्गों, एक्सप्रेसवे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं।

बिना ट्रैफिक रोके 24 घंटे में इंस्टॉल किया सबसे लंबा स्टील ब्रिज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे लंबा स्टील ब्रिज गुजरात के वडोदरा में तैयार हुआ और वह भी रिकॉर्ड समय में। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 130 मीटर लंबे स्टील ब्रिज को महज 24 घंटे में पूरा किया गया। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने इसे बनाया। खास बात यह है कि इस दौरान सड़क यातायात बाधित नहीं हुआ। इस 3000 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज को महाराष्ट्र के वर्धा में तैयार

किया गया। इसे इंस्टॉलेशन के लिए ट्रेलरों पर रखकर साइट पर ले जाया गया। ब्रिज निर्माण में सी5 सिस्टम पेंटिंग और धातु के गोलाकार बीयरिंग के साथ 124,246 टोर-शीयर टाइप हाई स्ट्रेंथ (टीटीएचएस) बोल्ट का उपयोग किया गया, जो 100 साल तक खराब नहीं होंगे।

स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 15 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया। इसे मैक-मिश्र धातु बार का उपयोग करते हुए 2 अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 250 टन है।



कॉरिडोर के 28 स्टील ब्रिज में यह तीसरा

यह पूरे कॉरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से तीसरा है। पहला ब्रिज सूरत में राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर और दूसरा ब्रिज नडियाद के पास रेलवे की वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर लॉन्च किया गया था। राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त 40 से 45 मीटर तक वाले प्री-स्ट्रेसड कंक्रीट ब्रिज के विपरीत स्टील ब्रिज राजमार्गों, एक्सप्रेसवे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं।

बिना ट्रैफिक रोके 24 घंटे में इंस्टॉल किया सबसे लंबा स्टील ब्रिज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे लंबा स्टील ब्रिज गुजरात के वडोदरा में तैयार हुआ और वह भी रिकॉर्ड समय में। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 130 मीटर लंबे स्टील ब्रिज को महज 24 घंटे में पूरा किया गया। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने इसे बनाया। खास बात यह है कि इस दौरान सड़क यातायात बाधित नहीं हुआ। इस 3000 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज को महाराष्ट्र के वर्धा में तैयार

किया गया। इसे इंस्टॉलेशन के लिए ट्रेलरों पर रखकर साइट पर ले जाया गया। ब्रिज निर्माण में सी5 सिस्टम पेंटिंग और धातु के गोलाकार बीयरिंग के साथ 124,246 टोर-शीयर टाइप हाई स्ट्रेंथ (टीटीएचएस) बोल्ट का उपयोग किया गया, जो 100 साल तक खराब नहीं होंगे।

स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 15 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया। इसे मैक-मिश्र धातु बार का उपयोग करते हुए 2 अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 250 टन है।



कॉरिडोर के 28 स्टील ब्रिज में यह तीसरा

यह पूरे कॉरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से तीसरा है। पहला ब्रिज सूरत में राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर और दूसरा ब्रिज नडियाद के पास रेलवे की वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर लॉन्च किया गया था। राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त 40 से 45 मीटर तक वाले प्री-स्ट्रेसड कंक्रीट ब्रिज के विपरीत स्टील ब्रिज राजमार्गों, एक्सप्रेसवे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं।

बिना ट्रैफिक रोके 24 घंटे में इंस्टाल किया सबसे लंबा स्टील ब्रिज

पत्रिका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद, देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे लंबा स्टील ब्रिज गुजरात के वडोदरा में तैयार हुआ और वह भी रेकॉर्ड समय में। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 130 मीटर लंबे स्टील ब्रिज को महज 24 घंटे में पूरा किया गया।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने इसे बनाया। खास बात यह है कि इस दौरान सड़क यातायात बाधित नहीं हुआ। इस 3000 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज को महाराष्ट्र के वर्धा में तैयार

किया गया। इसे इंस्टालेशन के लिए ट्रेलरों पर रखकर साइट पर ले जाया गया।

ब्रिज निर्माण में सी5 सिस्टम पेंटिंग और धातु के गोलाकार बीयरिंग के साथ 124,246 टोर-शीयर टाइप हाई स्ट्रेंथ (टीटीएचएस) बोल्ट का उपयोग किया गया, जो 100 साल तक खराब नहीं होंगे।

स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 15 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया। इसे मैक-मिश्र धातु बार का उपयोग करते हुए 2 अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 250 टन है।



कॉरिडोर के 28 स्टील ब्रिज में यह तीसरा

यह पूरे कॉरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से तीसरा है। पहला ब्रिज सूरत में राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर और दूसरा ब्रिज नडियाद के पास रेलवे की वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर लॉन्च किया गया था। राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त 40 से 45 मीटर तक वाले प्री-स्ट्रेसड कंक्रीट ब्रिज के विपरीत स्टील ब्रिज राजमार्गों, एक्सप्रेसवे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

दिल्ली-मुंबई नेशनल एक्सप्रेस-वे पर 18 मीटर ऊंचे स्टील ब्रिज का निर्माण

बिना ट्रैफिक रोके 24 घंटे में इंस्टॉल किया सबसे लंबा स्टील ब्रिज

पत्रिका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद, देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे लंबा स्टील ब्रिज गुजरात के वडोदरा में तैयार हुआ और वह भी रेकॉर्ड समय में। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 130 मीटर लंबे स्टील ब्रिज को महज 24 घंटे में पूरा किया गया। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने इसे बनाया। खास बात यह है कि इस दौरान सड़क यातायात बाधित नहीं हुआ। इस 3000 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज को महाराष्ट्र के वर्धा में तैयार

किया गया। इसे इंस्टॉलेशन के लिए ट्रैलरों पर रखकर साइट पर ले जाया गया। ब्रिज निर्माण में सी5 सिस्टम पेंटिंग और धातु के गोलाकार बीयरिंग के साथ 124,246 टोर-शीयर टाइप हाई स्ट्रेंथ (टीटीएचएस) बोल्ट का उपयोग किया गया, जो 100 साल तक खराब नहीं होंगे।

स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 15 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया। इसे मैक-मिश्र धातु बार का उपयोग करते हुए 2 अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 250 टन है।



कॉरिडोर के 28 स्टील ब्रिज में यह तीसरा

यह पूरे कॉरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से तीसरा है। पहला ब्रिज सुरत में राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर और दूसरा ब्रिज नडियाद के पास रेलवे की वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर लॉन्च किया गया था। राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त 40 से 45 मीटर तक वाले प्री-स्ट्रेसड कंक्रीट ब्रिज के विपरीत स्टील ब्रिज राजमार्गों, एक्सप्रेसवे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं।

दिल्ली-मुंबई नेशनल एक्सप्रेस-वे पर ब्रिज का निर्माण



बिना ट्रैफिक रोके 24 घंटे में स्टील ब्रिज किया गया इंस्टॉल

एजेसियां, अहमदाबाद

देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे लंबा स्टील ब्रिज गुजरात के वडोदरा में तैयार हुआ और वह भी रिकॉर्ड समय में. बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 130 मीटर लंबे स्टील ब्रिज को महज 24 घंटे में पूरा किया गया. नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने इसे बनाया है. खास बात यह है कि इस दौरान सड़क यातायात बाधित नहीं हुआ. इस 3000 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज को महाराष्ट्र के वर्धा में तैयार किया गया है. इसे इंस्टॉलेशन के लिए ट्रेलरों पर रखकर साइट पर ले जाया गया. ब्रिज निर्माण में सी5 सिस्टम पेंटिंग और धातु के गोलाकार बियरिंग के साथ 124, 246 टोर-शियर टाइप हाइ स्ट्रेंथ वोल्ट का उपयोग किया गया, जो 100 साल तक खराब नहीं होंगे. स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रैस्टल्स पर जमीन से 15 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया.

130 मीटर लंबा
18 मीटर ऊंचा
14.9 मी चौड़ा
3,000 मीट्रिक टन स्टील लगा
100 साल का जीवनकाल

कोरिडोर के 28 स्टील ब्रिज में यह तीसरा

यह पूरे कोरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से तीसरा है. पहला ब्रिज सूरत में एनएच-53 पर और दूसरा ब्रिज नडियाद के पास रेलवे की वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर लगाया गया था. राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त 40 से 45 मीटर तक वाले प्री-स्ट्रेसड कंक्रीट ब्रिज के विपरीत स्टील ब्रिज राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं.

इसे मैक-मिश्र धातु बार का उपयोग करते हुए दो अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया.



दिल्ली-मुंबई नेशनल एक्सप्रेस-वे पर ब्रिज का निर्माण



बिना ट्रैफिक रोके 24 घंटे में स्टील ब्रिज किया गया इंस्टॉल

एजेसियां, अहमदाबाद

देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे लंबा स्टील ब्रिज गुजरात के वडोदरा में तैयार हुआ और वह भी रिकॉर्ड समय में. बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 130 मीटर लंबे स्टील ब्रिज को महज 24 घंटे में पूरा किया गया. नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने इसे बनाया है. खास बात यह है कि इस दौरान सड़क यातायात बाधित नहीं हुआ. इस 3000 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज को महाराष्ट्र के वर्धा में तैयार किया गया है. इसे इंस्टॉलेशन के लिए ट्रेलरों पर रखकर साइट पर ले जाया गया. ब्रिज निर्माण में सी5 सिस्टम पेंटिंग और धातु के गोलाकार बियरिंग के साथ 124, 246 टोर-शियर टाइप हाइ स्ट्रेंथ वोल्ट का उपयोग किया गया, जो 100 साल तक खराब नहीं होंगे. स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रैस्टल्लस पर जमीन से 15 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया.

130 मीटर लंबा

18 मीटर ऊंचा

14.9 मी चौड़ा

3,000 मीट्रिक

टन स्टील लगा

100 साल का

जीवनकाल

कोरिडोर के 28 स्टील ब्रिज में यह तीसरा

यह पूरे कोरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से तीसरा है. पहला ब्रिज सूरत में एनएच-53 पर और दूसरा ब्रिज नडियाद के पास रेलवे की वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर लगाया गया था. राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त 40 से 45 मीटर तक वाले प्री-स्ट्रैस्ड कंक्रीट ब्रिज के विपरीत स्टील ब्रिज राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं.

इसे मैक-मिश्र धातु बार का उपयोग करते हुए दो अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया.



दिल्ली-मुंबई नेशनल एक्सप्रेस-वे पर ब्रिज का निर्माण



बिना ट्रैफिक रोके 24 घंटे में स्टील ब्रिज किया गया इंस्टॉल

एजेसियां, अहमदाबाद

देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे लंबा स्टील ब्रिज गुजरात के वडोदरा में तैयार हुआ और वह भी रिकॉर्ड समय में. बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 130 मीटर लंबे स्टील ब्रिज को महज 24 घंटे में पूरा किया गया. नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने इसे बनाया है. खास बात यह है कि इस दौरान सड़क यातायात बाधित नहीं हुआ. इस 3000 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज को महाराष्ट्र के वर्धा में तैयार किया गया है. इसे इंस्टॉलेशन के लिए ट्रेलरों पर रखकर साइट पर ले जाया गया. ब्रिज निर्माण में सी5 सिस्टम पेंटिंग और धातु के गोलाकार बियरिंग के साथ 124, 246 टोर-शियर टाइप हाइ स्ट्रेंथ वोल्ट का उपयोग किया गया, जो 100 साल तक खराब नहीं होंगे. स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रैस्टल्लस पर जमीन से 15 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया.

130 मीटर लंबा

18 मीटर ऊंचा

14.9 मी चौड़ा

3,000 मीट्रिक

टन स्टील लगा

100 साल का

जीवनकाल

कोरिडोर के 28 स्टील ब्रिज में यह तीसरा

यह पूरे कोरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से तीसरा है. पहला ब्रिज सूरत में एनएच-53 पर और दूसरा ब्रिज नडियाद के पास रेलवे की वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर लगाया गया था. राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त 40 से 45 मीटर तक वाले प्री-स्ट्रैस्ड कंक्रीट ब्रिज के विपरीत स्टील ब्रिज राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं.

इसे मैक-मिश्र धातु बार का उपयोग करते हुए दो अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया.



दिल्ली-मुंबई नेशनल एक्सप्रेस-वे पर ब्रिज का निर्माण



बिना ट्रैफिक रोके 24 घंटे में स्टील ब्रिज किया गया इंस्टॉल

एजेसियां, अहमदाबाद

देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे लंबा स्टील ब्रिज गुजरात के वडोदरा में तैयार हुआ और वह भी रिकॉर्ड समय में. बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 130 मीटर लंबे स्टील ब्रिज को महज 24 घंटे में पूरा किया गया. नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने इसे बनाया है. खास बात यह है कि इस दौरान सड़क यातायात बाधित नहीं हुआ. इस 3000 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज को महाराष्ट्र के वर्धा में तैयार किया गया है. इसे इंस्टॉलेशन के लिए ट्रेलरों पर रखकर साइट पर ले जाया गया. ब्रिज निर्माण में सी5 सिस्टम पेंटिंग और धातु के गोलाकार बियरिंग के साथ 124, 246 टोर-शियर टाइप हाइ स्ट्रेंथ वोल्ट का उपयोग किया गया, जो 100 साल तक खराब नहीं होंगे. स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रैस्टल्स पर जमीन से 15 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया.

130 मीटर लंबा

18 मीटर ऊंचा

14.9 मी चौड़ा

3,000 मीट्रिक

टन स्टील लगा

100 साल का

जीवनकाल

कॉरिडोर के 28 स्टील ब्रिज में यह तीसरा

यह पूरे कॉरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से तीसरा है. पहला ब्रिज सूरत में एनएच-53 पर और दूसरा ब्रिज नडियाद के पास रेलवे की वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर लगाया गया था. राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त 40 से 45 मीटर तक वाले प्री-स्ट्रैड कंक्रीट ब्रिज के विपरीत स्टील ब्रिज राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं.

इसे मैक-मिश्र धातु बार का उपयोग करते हुए दो अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया.



दिल्ली-मुंबई नेशनल एक्सप्रेस-वे पर ब्रिज का निर्माण



बिना ट्रैफिक रोके 24 घंटे में स्टील ब्रिज किया गया इंस्टॉल

एजेसियां, अहमदाबाद

देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे लंबा स्टील ब्रिज गुजरात के वडोदरा में तैयार हुआ और वह भी रिकॉर्ड समय में. बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 130 मीटर लंबे स्टील ब्रिज को महज 24 घंटे में पूरा किया गया. नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने इसे बनाया है. खास बात यह है कि इस दौरान सड़क यातायात बाधित नहीं हुआ. इस 3000 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज को महाराष्ट्र के वर्धा में तैयार किया गया है. इसे इंस्टॉलेशन के लिए ट्रेलरों पर रखकर साइट पर ले जाया गया. ब्रिज निर्माण में सी5 सिस्टम पेंटिंग और धातु के गोलाकार बियरिंग के साथ 124, 246 टोर-शियर टाइप हाइ स्ट्रेंथ वोल्ट का उपयोग किया गया, जो 100 साल तक खराब नहीं होंगे. स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रैस्टल्स पर जमीन से 15 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया.

130 मीटर लंबा

18 मीटर ऊंचा

14.9 मी चौड़ा

3,000 मीट्रिक

टन स्टील लगा

100 साल का
जीवनकाल

कोरिडोर के 28 स्टील ब्रिज में यह तीसरा

यह पूरे कोरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से तीसरा है. पहला ब्रिज सूरत में एनएच-53 पर और दूसरा ब्रिज नडियाद के पास रेलवे की वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर लगाया गया था. राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त 40 से 45 मीटर तक वाले प्री-स्ट्रैस्ड कंक्रीट ब्रिज के विपरीत स्टील ब्रिज राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं.

इसे मैक-मिश्र धातु बार का उपयोग करते हुए दो अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया.



दिल्ली-मुंबई नेशनल एक्सप्रेस-वे पर ब्रिज का निर्माण



बिना ट्रैफिक रोके 24 घंटे में स्टील ब्रिज किया गया इंस्टॉल

एजेसियां, अहमदाबाद

देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे लंबा स्टील ब्रिज गुजरात के वडोदरा में तैयार हुआ और वह भी रिकॉर्ड समय में. बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 130 मीटर लंबे स्टील ब्रिज को महज 24 घंटे में पूरा किया गया. नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने इसे बनाया है. खास बात यह है कि इस दौरान सड़क यातायात बाधित नहीं हुआ. इस 3000 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज को महाराष्ट्र के वर्धा में तैयार किया गया है. इसे इंस्टॉलेशन के लिए ट्रेलरों पर रखकर साइट पर ले जाया गया. ब्रिज निर्माण में सी5 सिस्टम पेंटिंग और धातु के गोलाकार बियरिंग के साथ 124, 246 टोर-शियर टाइप हाइ स्ट्रेंथ वोल्ट का उपयोग किया गया, जो 100 साल तक खराब नहीं होंगे. स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रैस्टल्लस पर जमीन से 15 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया.

130 मीटर लंबा

18 मीटर ऊंचा

14.9 मी चौड़ा

3,000 मीट्रिक

टन स्टील लगा

100 साल का

जीवनकाल

कोरिडोर के 28 स्टील ब्रिज में यह तीसरा

यह पूरे कोरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से तीसरा है. पहला ब्रिज सूरत में एनएच-53 पर और दूसरा ब्रिज नडियाद के पास रेलवे की वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर लगाया गया था. राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त 40 से 45 मीटर तक वाले प्री-स्ट्रैस्ड कंक्रीट ब्रिज के विपरीत स्टील ब्रिज राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं.

इसे मैक-मिश्र धातु बार का उपयोग करते हुए दो अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया.



दिल्ली-मुंबई नेशनल एक्सप्रेस-वे पर ब्रिज का निर्माण



बिना ट्रैफिक रोके 24 घंटे में स्टील ब्रिज किया गया इंस्टॉल

एजेसियां, अहमदाबाद

देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे लंबा स्टील ब्रिज गुजरात के वडोदरा में तैयार हुआ और वह भी रिकॉर्ड समय में. बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 130 मीटर लंबे स्टील ब्रिज को महज 24 घंटे में पूरा किया गया. नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने इसे बनाया है. खास बात यह है कि इस दौरान सड़क यातायात बाधित नहीं हुआ. इस 3000 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज को महाराष्ट्र के वर्धा में तैयार किया गया है. इसे इंस्टॉलेशन के लिए ट्रेलरों पर रखकर साइट पर ले जाया गया. ब्रिज निर्माण में सी5 सिस्टम पेंटिंग और धातु के गोलाकार बियरिंग के साथ 124, 246 टोर-शियर टाइप हाइ स्ट्रेंथ वोल्ट का उपयोग किया गया, जो 100 साल तक खराब नहीं होंगे. स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रैस्टल्स पर जमीन से 15 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया.

130 मीटर लंबा
18 मीटर ऊंचा
14.9 मी चौड़ा
3,000 मीट्रिक टन स्टील लगा
100 साल का जीवनकाल

कोरिडोर के 28 स्टील ब्रिज में यह तीसरा

यह पूरे कोरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से तीसरा है. पहला ब्रिज सूरत में एनएच-53 पर और दूसरा ब्रिज नडियाद के पास रेलवे की वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर लगाया गया था. राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त 40 से 45 मीटर तक वाले प्री-स्ट्रैड कंक्रीट ब्रिज के विपरीत स्टील ब्रिज राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं.

इसे मैक-मिश्र धातु बार का उपयोग करते हुए दो अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया.

